Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 1100 | | 473 Date: 09 | 05 | 2020 Validity : 1 Year Only

नाम: Piyush Gupta	जन्म तिथि: 29/08/1992	जन्म समय: 15:55 hrs
जन्म स्थान: Delhi	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Mangal Dev
लग्न: Dhanu Lagna	राशि: Kanya	नक्षत्र: उ० फाल्गुनी - 2

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Guru	10 %	Shani (व)	100 %
2.	Surya	50 %	Mangal	10 %
3.			Budh	10 %
4.			Shukra	25 %
5.			Chandra	25 %
6.			Rahu (व) नीच	50 %
			Ketu (व) नीच	50 %

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, पुखराज तथा माणिक जीवन भर धारण करके रखें।

3. कुण्डली दोष: सूर्य ग्रहण योग। माणिक धारण करने से दोष शान्त होगा। तथा राहु के दान व उपाय करना है।

4. शुभ दिन: Thursday, Sunday.

5. शुभ रंग: पीला, मरून अशुभ: (काला, नीला) – से परहेज करें।

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पुखराज	7+	Right	Index	सोने, पीतल में बृहस्पतिवार के दिन शुक्ल पक्ष में 8:15 AM पर धारण करना है।
2. माणिक	7+	Right	Ring	सोने, पीतल में रविवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करना है।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

गोमेद, लहसुनिया, मोती, ओपल, हीरा, मूँगा, नीलम, पन्ना आदि रत्न वर्जित हैं।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) शुक्र देव: शुक्र देव के रत्न पहने से शरीर में रोग कम होंगे।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शुक्र देव, शनि देव, बुध देव, राहु तथा केतु देव के दान विधिवत रूप से करने से शरीर में पूरी तरह रोग समाप्त हो सकते हैं।

Comments:

☺ Aggressive, गुस्सैल, जिद्दी, अड़ीला स्वभाव रहेगा।

☺ Negativity शरीर में काफी रहेगी, वहम आदि भी हो सकता है। चिड़चिड़ा स्वभाव होगा। राहु व केतु के दान से समस्या समाप्त होगी।

☺ Skin related issues काफी होंगे, कष्ठ रोग, speech problems, हकलाना आदि हो सकता है। बुध देव का दान करने से समस्या समाप्त होगी।

☺ Married life में परेशानी रहेगी। मनमुटाव की स्थिति ज्यादा रहेगी, तथा आपसी दूरियाँ भी बढ़ सकती हैं।

राहु, केतु, तथा बुध के दान करने से समस्या समाप्त होगी।

☺ Health issues ज्यादा रहेंगे।

☺ Job में unstability रहेगी, पूरी तरह कामकाज settle नहीं होगा। हर कामकाज में अड़चनें आयेंगी। (शनि, बुध के दान आवश्यक है!)

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु का गोमेद, पन्ना, मोती आदि रत्न भूलकर भी एक साथ कभी भी धारण नहीं करें। समस्याएं बढ़ जाएंगी।

राहु की महादशा :- 16/07/2013 to 16/07/2031 : खराब दशा (50%)

राहु/शनि : 21/08/2018 to 27/06/2021 : खराब दशा (100%)

उपाय एवं दान :-

* { 12/04/20 – 07/07/20 → राहु, शनि तथा चन्द्र के दान करना करना है।
08/07/20 – 05/09/20 → राहु, शनि, मंगल के दान करना है।
06/09/20 – 08/02/21 → राहु, शनि के दान व उपाय करना है।
09/02/21 – 27/06/21 → अनुकूल समय – (राहु, शनि के उपाय करना है) }

* राहु के दान व उपाय सूर्यास्त के बाद हर शनिवार व अमावस्या के दिन होंगे। समस्या control होगी तथा गुस्सा कम आयेगा।

* शनि के दान व उपाय सूर्यास्त के बाद हर शनिवार व अमावस्या के दिन होंगे। उपाय आगे report से follow करें।

* चन्द्र का दान करने से मन शान्त रहेगा। सोमवार को दान करना है।

↳ for marriage :- {राहु, केतु, बुध, मंगल के दान वार के हिसाब से करें।}

↳ for skin related issues : बुध के दान बुधवार को करें। पन्ना भूलकर भी धारण ना करें।

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नम:)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नम:)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नम:)**

राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (40gm), 4 अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Piyush Gupta

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011473 Date: 09/05/2020

Piyush Gupta

29 Aug 1992 03:55 PM

Delhi

Piyush Gupta

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011473 Date: 09/05/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **29/08/1992**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **15:55:00 ांटे**
इष्ट	: 24:53:15 घटी
स्थान	: **Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:33:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:00:54 घंटे
साम्पातिक काल	: 14:05:22 घंटे
सूर्योदय	: 05:57:41 घंटे
सूर्यास्त	: 18:45:48 घंटे
दिनमान	: 12:48:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 12:34:00 सिंह
लग्न के अंश	: 23:10:09 धनु

चैत्रादि संवत / शक	: 2049 / 1914
मास	: भाद्रपद
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 2
तिथि समाप्ति काल	: 24:46:10
जन्म तिथि	: 2
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 08:25:30 घंटे
जन्म नक्षत्र	: उ०फाल्गुनी
सूर्योदय कालीन योग	: सिद्ध
योग समाप्ति काल	: 10:01:01 घंटे
जन्म योग	: साध्य
सूर्योदय कालीन करण	: बालव
करण समाप्ति काल	: 14:31:34 घंटे
जन्म करण	: कौलव
भयात	: 18:43:47
भभोग	: 53:13:54
भोग्य दशा काल	: सूर्य 3 वर्ष 10 मा 16 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: धनु – गुरु
राशि–स्वामी	: **कन्या – बुध**
नक्षत्र–चरण	: **उ०फाल्गुनी – 2**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: साध्य
करण	: कौलव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: टो–टोनी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ात चक्र	
मास	: भाद्रपद
तिथि	: 5-10-15
दिन	: शनिवार
नक्षत्र	: श्रवण
योग	: शुक्ल
करण	: कौलव
प्रहर	: 1
वर्ग	: मेष
लग्न	: मीन
सूर्य	: मेष
चन्द्र	: मिथुन
मंगल	: वृष
बुध	: मीन
गुरु	: मिथुन
शुक्र	: कर्क
शनि	: मीन
राहु	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	23:10:09	364:47:43	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	———
सूर्य			सिंह	12:34:00	00:58:01	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	01:23:03	15:04:17	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृष	28:03:59	00:36:39	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			कर्क	27:23:37	01:41:35	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	27:11:07	00:12:45	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	03:29:26	01:13:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मक	19:47:44	00:03:57	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	स्वराशि
राहु	व		धनु	04:22:55	00:09:52	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	04:22:55	00:09:52	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:31:51	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	———
नेप	व		धनु	22:38:53	00:00:54	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	———
प्लूटो			तुला	26:38:06	00:01:00	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	———
दशम भाव			तुला	09:49:24	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:34

लग्न–चलित

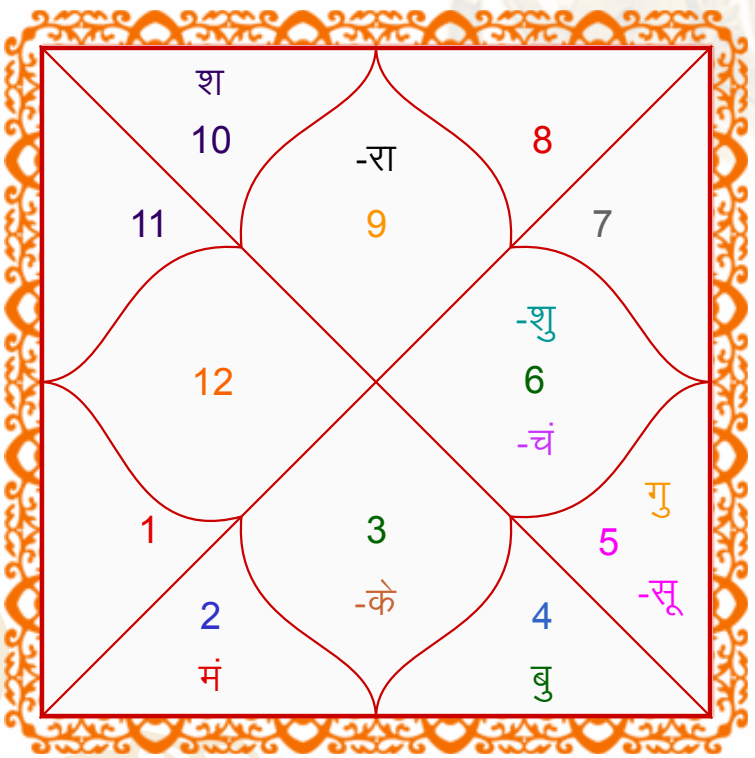

चन्द्र कुंडली

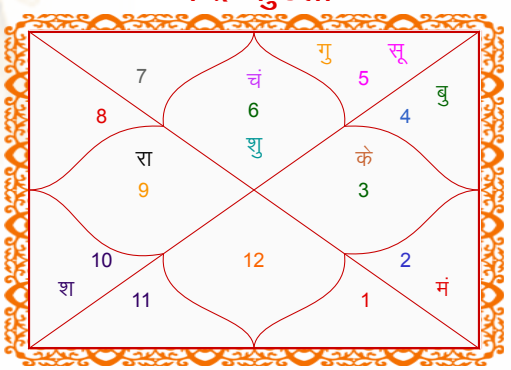

नवमांश कुंडली

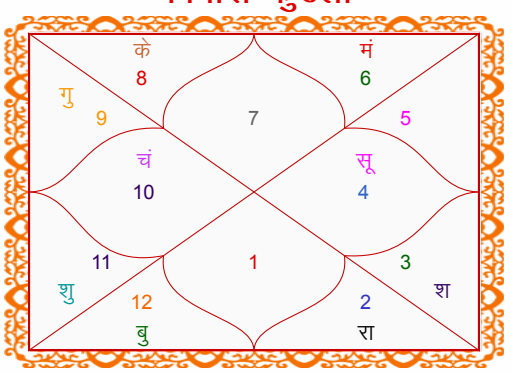

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	19	21	20	44	43	8	30
सप्तवर्गज बल	122	120	101	105	101	129	54
ओजयुग्मक बल	15	30	0	0	30	15	15
केन्द्र बल	15	60	15	30	15	60	30
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	0	15
कुल स्थान बल	171	231	136	179	189	212	144
कुल दिग्बल	41	13	16	11	21	12	9
नतोन्नत बल	42	18	18	60	42	42	18
पक्ष बल	54	107	54	6	6	6	54
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	0	0	45
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	84	27	60	49	35	31	52
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	195	153	221	115	143	80	228
कुल चेष्टाबल	0	0	34	18	5	14	52
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-20	-24	-3	-18	-21	-23	5
कुल षट्बल	447	424	422	332	371	338	448
रूप षट्बल	7.5	7.1	7.0	5.5	6.2	5.6	7.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.5	1.2	1.4	0.8	1.0	1.0	1.5
संबंधित पद	2	4	3	7	6	5	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	26.93	11.35	26.18	28.46	13.98	10.37	39.72
कष्ट फल	30.05	46.05	32.06	25.71	31.05	49.13	15.01

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	371	448	371	422	338	338	332	424	332	338	422	422
भावदिग्बल	30	40	50	0	10	20	0	20	20	30	20	10
भावदृष्टि बल	20	47	81	35	54	7	1	-18	-20	21	38	48
कुल भाव बल	421	535	502	456	402	365	333	426	332	388	479	480
रूप भाव बल	7.0	8.9	8.4	7.6	6.7	6.1	5.5	7.1	5.5	6.5	8.0	8.0
संबंधित पद	7	1	2	5	8	10	11	6	12	9	4	3

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

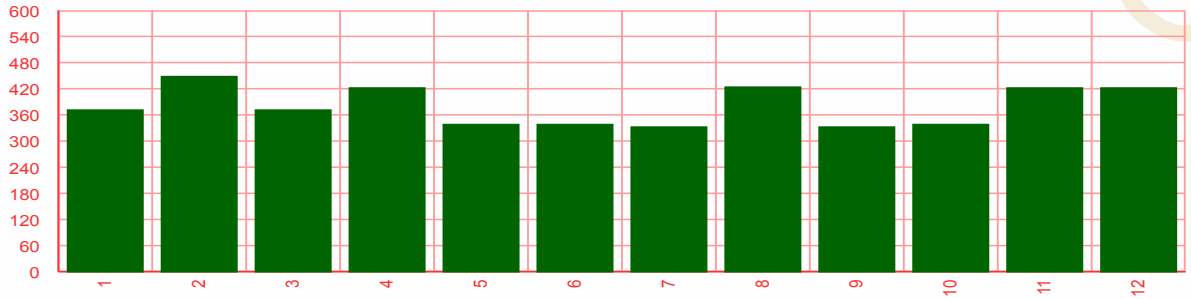

भावदिग्बल

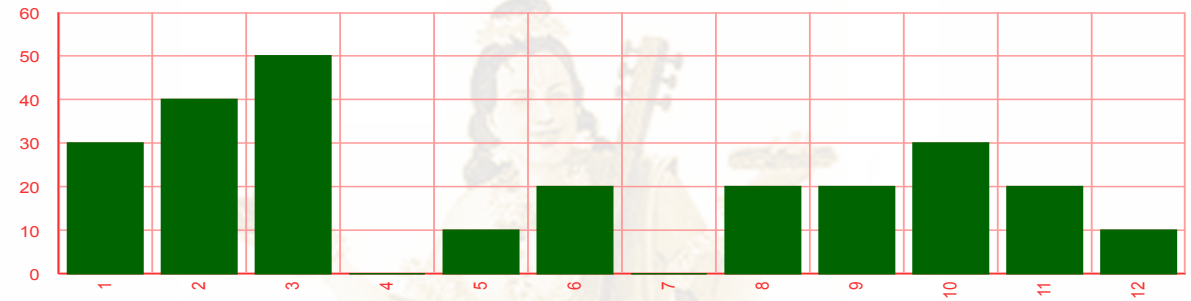

भावदृष्टि बल

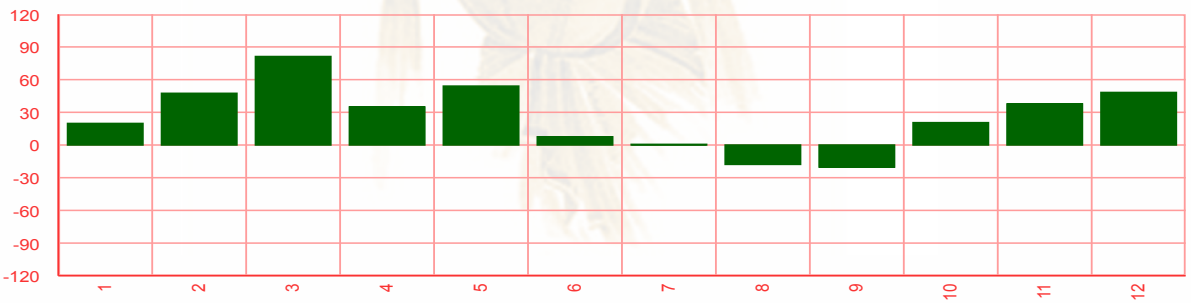

भाव बल

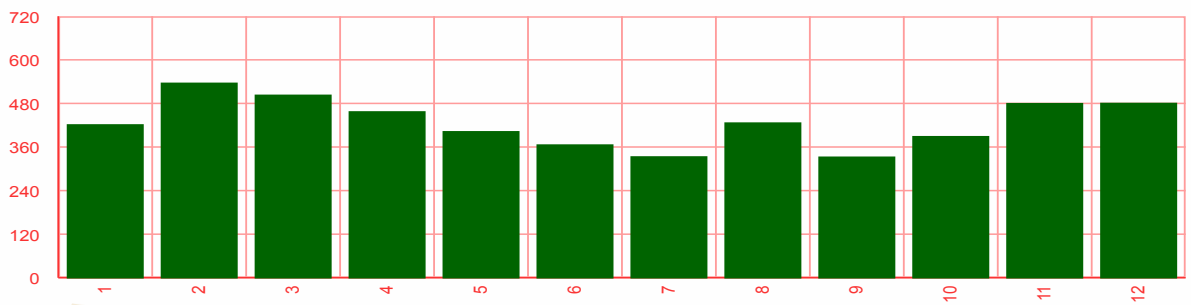

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 10 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष	
29/08/1992	
15/07/1996	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	29/08/1992
गुरु	22/05/1993
शनि	04/05/1994
बुध	10/03/1995
केतु	16/07/1995
शुक्र	15/07/1996

चंद्र 10 वर्ष	
15/07/1996	
16/07/2006	
चंद्र	16/05/1997
मंगल	15/12/1997
राहु	16/06/1999
गुरु	15/10/2000
शनि	16/05/2002
बुध	15/10/2003
केतु	15/05/2004
शुक्र	14/01/2006
सूर्य	16/07/2006

मंगल 7 वर्ष	
16/07/2006	
16/07/2013	
मंगल	12/12/2006
राहु	30/12/2007
गुरु	05/12/2008
शनि	14/01/2010
बुध	11/01/2011
केतु	10/06/2011
शुक्र	09/08/2012
सूर्य	14/12/2012
चंद्र	16/07/2013

राहु 18 वर्ष	
16/07/2013	
16/07/2031	
राहु	28/03/2016
गुरु	21/08/2018
शनि	27/06/2021
बुध	15/01/2024
केतु	01/02/2025
शुक्र	02/02/2028
सूर्य	27/12/2028
चंद्र	28/06/2030
मंगल	16/07/2031

गुरु 16 वर्ष	
16/07/2031	
16/07/2047	
गुरु	02/09/2033
शनि	16/03/2036
बुध	21/06/2038
केतु	28/05/2039
शुक्र	26/01/2042
सूर्य	15/11/2042
चंद्र	16/03/2044
मंगल	19/02/2045
राहु	16/07/2047

शनि 19 वर्ष	
16/07/2047	
16/07/2066	
शनि	19/07/2050
बुध	28/03/2053
केतु	07/05/2054
शुक्र	06/07/2057
सूर्य	18/06/2058
चंद्र	18/01/2060
मंगल	26/02/2061
राहु	02/01/2064
गुरु	16/07/2066

बुध 17 वर्ष	
16/07/2066	
16/07/2083	
बुध	11/12/2068
केतु	09/12/2069
शुक्र	09/10/2072
सूर्य	15/08/2073
चंद्र	14/01/2075
मंगल	12/01/2076
राहु	31/07/2078
गुरु	05/11/2080
शनि	16/07/2083

केतु 7 वर्ष	
16/07/2083	
16/07/2090	
केतु	12/12/2083
शुक्र	10/02/2085
सूर्य	18/06/2085
चंद्र	17/01/2086
मंगल	15/06/2086
राहु	04/07/2087
गुरु	09/06/2088
शनि	19/07/2089
बुध	16/07/2090

शुक्र 20 वर्ष	
16/07/2090	
17/07/2110	
शुक्र	14/11/2093
सूर्य	15/11/2094
चंद्र	15/07/2096
मंगल	14/09/2097
राहु	15/09/2100
गुरु	17/05/2103
शनि	17/07/2106
बुध	17/05/2109
केतु	17/07/2110

सूर्य 6 वर्ष	
17/07/2110	
00/00/0000	
सूर्य	03/11/2110
चंद्र	05/05/2111
मंगल	10/09/2111
राहु	04/08/2112
गुरु	30/08/2112
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शनि	
21/08/2018	
27/06/2021	
शनि	02/02/2019
बुध	30/06/2019
केतु	29/08/2019
शुक्र	19/02/2020
सूर्य	11/04/2020
चंद्र	07/07/2020
मंगल	05/09/2020
राहु	08/02/2021
गुरु	27/06/2021

राहु - बुध	
27/06/2021	
15/01/2024	
बुध	06/11/2021
केतु	31/12/2021
शुक्र	04/06/2022
सूर्य	20/07/2022
चंद्र	06/10/2022
मंगल	29/11/2022
राहु	18/04/2023
गुरु	20/08/2023
शनि	15/01/2024

राहु - केतु	
15/01/2024	
01/02/2025	
केतु	06/02/2024
शुक्र	10/04/2024
सूर्य	29/04/2024
चंद्र	31/05/2024
मंगल	22/06/2024
राहु	19/08/2024
गुरु	09/10/2024
शनि	09/12/2024
बुध	01/02/2025

राहु - शुक्र	
01/02/2025	
02/02/2028	
शुक्र	03/08/2025
सूर्य	27/09/2025
चंद्र	27/12/2025
मंगल	01/03/2026
राहु	12/08/2026
गुरु	05/01/2027
शनि	28/06/2027
बुध	30/11/2027
केतु	02/02/2028

राहु - सूर्य	
02/02/2028	
27/12/2028	
सूर्य	18/02/2028
चंद्र	17/03/2028
मंगल	05/04/2028
राहु	24/05/2028
गुरु	07/07/2028
शनि	28/08/2028
बुध	14/10/2028
केतु	02/11/2028
शुक्र	27/12/2028

राहु - चंद्र	
27/12/2028	
28/06/2030	
चंद्र	10/02/2029
मंगल	14/03/2029
राहु	04/06/2029
गुरु	17/08/2029
शनि	11/11/2029
बुध	28/01/2030
केतु	01/03/2030
शुक्र	31/05/2030
सूर्य	28/06/2030

राहु - मंगल	
28/06/2030	
16/07/2031	
मंगल	20/07/2030
राहु	15/09/2030
गुरु	06/11/2030
शनि	05/01/2031
बुध	01/03/2031
केतु	23/03/2031
शुक्र	26/05/2031
सूर्य	14/06/2031
चंद्र	16/07/2031

गुरु - गुरु	
16/07/2031	
02/09/2033	
गुरु	28/10/2031
शनि	28/02/2032
बुध	18/06/2032
केतु	02/08/2032
शुक्र	10/12/2032
सूर्य	18/01/2033
चंद्र	24/03/2033
मंगल	08/05/2033
राहु	02/09/2033

गुरु - शनि	
02/09/2033	
16/03/2036	
शनि	27/01/2034
बुध	07/06/2034
केतु	31/07/2034
शुक्र	01/01/2035
सूर्य	16/02/2035
चंद्र	04/05/2035
मंगल	27/06/2035
राहु	13/11/2035
गुरु	16/03/2036

गुरु - बुध	
16/03/2036	
21/06/2038	
बुध	11/07/2036
केतु	28/08/2036
शुक्र	13/01/2037
सूर्य	24/02/2037
चंद्र	03/05/2037
मंगल	21/06/2037
राहु	23/10/2037
गुरु	10/02/2038
शनि	21/06/2038

गुरु - केतु	
21/06/2038	
28/05/2039	
केतु	11/07/2038
शुक्र	06/09/2038
सूर्य	23/09/2038
चंद्र	22/10/2038
मंगल	10/11/2038
राहु	01/01/2039
गुरु	15/02/2039
शनि	10/04/2039
बुध	28/05/2039

गुरु - शुक्र	
28/05/2039	
26/01/2042	
शुक्र	07/11/2039
सूर्य	25/12/2039
चंद्र	16/03/2040
मंगल	11/05/2040
राहु	04/10/2040
गुरु	11/02/2041
शनि	16/07/2041
बुध	01/12/2041
केतु	26/01/2042

गुरु - सूर्य	
26/01/2042	
15/11/2042	
सूर्य	10/02/2042
चंद्र	06/03/2042
मंगल	23/03/2042
राहु	06/05/2042
गुरु	14/06/2042
शनि	30/07/2042
बुध	10/09/2042
केतु	27/09/2042
शुक्र	15/11/2042

गुरु - चंद्र	
15/11/2042	
16/03/2044	
चंद्र	25/12/2042
मंगल	23/01/2043
राहु	06/04/2043
गुरु	10/06/2043
शनि	26/08/2043
बुध	03/11/2043
केतु	01/12/2043
शुक्र	20/02/2044
सूर्य	16/03/2044

गुरु - मंगल	
16/03/2044	
19/02/2045	
मंगल	04/04/2044
राहु	26/05/2044
गुरु	10/07/2044
शनि	02/09/2044
बुध	20/10/2044
केतु	09/11/2044
शुक्र	05/01/2045
सूर्य	22/01/2045
चंद्र	19/02/2045

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - राहु	
19/02/2045	
16/07/2047	
राहु	01/07/2045
गुरु	26/10/2045
शनि	14/03/2046
बुध	16/07/2046
केतु	05/09/2046
शुक्र	29/01/2047
सूर्य	14/03/2047
चंद्र	26/05/2047
मंगल	16/07/2047

शनि - शनि	
16/07/2047	
19/07/2050	
शनि	06/01/2048
बुध	10/06/2048
केतु	13/08/2048
शुक्र	12/02/2049
सूर्य	08/04/2049
चंद्र	08/07/2049
मंगल	11/09/2049
राहु	22/02/2050
गुरु	19/07/2050

शनि - बुध	
19/07/2050	
28/03/2053	
बुध	05/12/2050
केतु	31/01/2051
शुक्र	14/07/2051
सूर्य	01/09/2051
चंद्र	22/11/2051
मंगल	19/01/2052
राहु	14/06/2052
गुरु	23/10/2052
शनि	28/03/2053

शनि - केतु	
28/03/2053	
07/05/2054	
केतु	21/04/2053
शुक्र	27/06/2053
सूर्य	17/07/2053
चंद्र	20/08/2053
मंगल	13/09/2053
राहु	12/11/2053
गुरु	05/01/2054
शनि	10/03/2054
बुध	07/05/2054

शनि - शुक्र	
07/05/2054	
06/07/2057	
शुक्र	16/11/2054
सूर्य	12/01/2055
चंद्र	19/04/2055
मंगल	25/06/2055
राहु	16/12/2055
गुरु	18/05/2056
शनि	17/11/2056
बुध	30/04/2057
केतु	06/07/2057

शनि - सूर्य	
06/07/2057	
18/06/2058	
सूर्य	24/07/2057
चंद्र	22/08/2057
मंगल	11/09/2057
राहु	02/11/2057
गुरु	18/12/2057
शनि	11/02/2058
बुध	01/04/2058
केतु	22/04/2058
शुक्र	18/06/2058

शनि - चंद्र	
18/06/2058	
18/01/2060	
चंद्र	06/08/2058
मंगल	08/09/2058
राहु	04/12/2058
गुरु	19/02/2059
शनि	22/05/2059
बुध	12/08/2059
केतु	14/09/2059
शुक्र	20/12/2059
सूर्य	18/01/2060

शनि - मंगल	
18/01/2060	
26/02/2061	
मंगल	10/02/2060
राहु	11/04/2060
गुरु	04/06/2060
शनि	07/08/2060
बुध	03/10/2060
केतु	27/10/2060
शुक्र	03/01/2061
सूर्य	23/01/2061
चंद्र	26/02/2061

शनि - राहु	
26/02/2061	
02/01/2064	
राहु	01/08/2061
गुरु	17/12/2061
शनि	31/05/2062
बुध	26/10/2062
केतु	25/12/2062
शुक्र	17/06/2063
सूर्य	08/08/2063
चंद्र	03/11/2063
मंगल	02/01/2064

शनि - गुरु	
02/01/2064	
16/07/2066	
गुरु	05/05/2064
शनि	28/09/2064
बुध	06/02/2065
केतु	01/04/2065
शुक्र	03/09/2065
सूर्य	19/10/2065
चंद्र	04/01/2066
मंगल	27/02/2066
राहु	16/07/2066

बुध - बुध	
16/07/2066	
11/12/2068	
बुध	17/11/2066
केतु	08/01/2067
शुक्र	03/06/2067
सूर्य	17/07/2067
चंद्र	29/09/2067
मंगल	19/11/2067
राहु	30/03/2068
गुरु	25/07/2068
शनि	11/12/2068

बुध - केतु	
11/12/2068	
09/12/2069	
केतु	02/01/2069
शुक्र	03/03/2069
सूर्य	21/03/2069
चंद्र	20/04/2069
मंगल	11/05/2069
राहु	05/07/2069
गुरु	22/08/2069
शनि	18/10/2069
बुध	09/12/2069

बुध - शुक्र	
09/12/2069	
09/10/2072	
शुक्र	30/05/2070
सूर्य	21/07/2070
चंद्र	15/10/2070
मंगल	14/12/2070
राहु	19/05/2071
गुरु	04/10/2071
शनि	16/03/2072
बुध	09/08/2072
केतु	09/10/2072

बुध - सूर्य	
09/10/2072	
15/08/2073	
सूर्य	24/10/2072
चंद्र	19/11/2072
मंगल	07/12/2072
राहु	23/01/2073
गुरु	05/03/2073
शनि	23/04/2073
बुध	06/06/2073
केतु	24/06/2073
शुक्र	15/08/2073

बुध - चंद्र	
15/08/2073	
14/01/2075	
चंद्र	27/09/2073
मंगल	27/10/2073
राहु	13/01/2074
गुरु	23/03/2074
शनि	13/06/2074
बुध	25/08/2074
केतु	24/09/2074
शुक्र	20/12/2074
सूर्य	14/01/2075